'आषाढ़ का एक दिन'

(7) पठित अंश के आधार पर अम्बिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(8) "तुम यहाँ से जाकर भी मुझसे दूर हो सकते हो... ? यहाँ ग्राम-प्रान्तर में रहकर तुम्हारी प्रतिभा को विकसित होने का अवसर कहाँ मिलेगा ? यहाँ लोग तुम्हें समझ नहीं पाते....।" इसकी सप्रसंग व्याख्या करें।

(9) 'आषाढ़ का एक दिन नाटक' के प्रथम अंक की कथा वस्तु संक्षेप में लिखिए।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2018-2019

हिन्दी

कक्षा : XI

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

प्र.1. किसी एक विषय पर लगभग 400 से 450 शब्दों में एक प्रस्ताव / कहानी लिखिए। **[20]**

(क) देश पर जब प्राकृतिक आपदा आती है तो हमारे सैनिकों की भूमिका दोहरी हो जाती है। ऐसे जाबांज सैनिकों के प्रति हमारा क्या कर्त्तव्य होना चाहिए। उदाहरण देकर समझाएँ।

(ख) स्वच्छ नगर - आपका योगदान ।

(ग) यदि आपसे संविधान में परिवर्त्तन करने को कहा जाए तो आप उसे क्या स्वरूप देना चाहेंगे और क्यों ?

(घ) "आधुनिक शिक्षा-प्रणाली रोजगार देने में सक्षम है या नहीं? तर्क देकर अपने विचार प्रस्तुत करें। तर्क देकर अपने विचार प्रस्तुत करें।

(ङ) किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए :-

(i) भाग्य का निर्माता - मनुष्य ।

(ii) कर भला तो हो भला ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए -

कभी-कभी अचानक ही विधाता हमें ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसे देख स्वयं अपने ज़ीवन की रिक्तता बहुत छोटी

{Turn Over}

लगने लगती हैं। हमें तब लगता है कि भले ही उस अंतर्यामी ने हमें जीवन में कभी अकस्मात, अकारण ही दंडित कर दिया हो किन्तु हमारे किसी अंग को हमसे विछिन्न कर हमें उससे वंचित तो नहीं किया। फिर भी हममें से कौन ऐसा मानव है जो अपनी विपत्ति के कठिन क्षणों में विधाता को दोषी नहीं ठहराता। मैंने अभी पिछले ही दिनों एक ऐसी अभिशप्त काया देखी है, जिसे विधाता ने कठोरतम दंड दिया है, किन्तु उसे वह नतमस्तक आनन्दी मुद्रा में झेल रही है, विधाता को कोसकर नहीं।

उसकी कोठी का अहाता एकदम हमारे बँगले के अहाते से जुड़ा था। अपनी शानदार कोठी में उसे पहली बार कार से उतरते देखा, तो आश्चर्य से देखती ही रह गई। कार का द्वार खुला एक प्रौढ़ा ने उतरकर पिछली सीट से एक व्हिल चेयर निकाल कर सामने रख दी और भीतर चली गई।

दूसरे ही क्षण, धीरे-धीरे बिना सहारे के, कार से एक युवती ने अपनी निर्जीव, निचले घड़ को बड़ी दक्षता से नीचे उतारा, फिर बैसाखियों से ही व्हिल चेयर तक पहुँच उसमें बैठ गई और बड़ी तटस्थता से उसे स्वयं चलाती कोठी के भीतर चली गई। मैं नित्य नियत समय पर उसका यह विचित्र आवागमन देखती और आश्चर्यचकित रह जाती – ठीक जैसे कोई मशीन बटन खटखटाती अपना काम किए चली जा रही हो।

धीरे-धीरे मेरा उससे परिचय हुआ। कहानी सुनी तो दंग रह गई नियति के प्रत्येक कठोर आघात को अति अमानवीय धैर्य एवं साहस से झेलती वह बित्ते-भर की लड़की मुझे किसी देवांगना से कम नहीं

(ग) द्वीप का होना कब सार्थक है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।[3]

(घ) द्वीप को, नदी को और भूखण्ड को किसका प्रतीक बताया गया है? समाज की वर्त्तमान स्थिति के साथ मिलान कर समझाइए।[5]

(3) **'बाल लीला'** :– कृष्ण, बलराम की शिकायत माँ यशोदा से क्यों करते हैं ? वे बलराम के दिए तर्कों के साथ ही उन्हें उलाहना देते है, कैसे? माँ उन्हें कैसे शान्त करती हैं ? उदाहरण देकर समझाइए।

'गद्य संकलन'

(4) **'शरणागत'** :– 'बुंदेला शरणागत के साथ घात नहीं करता'' – पंक्ति के आधार पर कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''क्या करूँ, पेट के लिए करना पड़ता है। परमात्मा ने जिसके लिए जो रोजगार मुकर्रर किया है, वही उसको करना पड़ता है।''

(क) इस कथन के वक्ता एवं श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [1½]

(ख) वक्ता इस वक्त कहाँ हैं और क्यों ? [3]

(ग) 'क्या करूँ पेट के लिए करना पड़ता है' – इस पंक्ति को स्पष्ट कर लिखिए। [3]

(घ) श्रोता ने वक्ता की सहायता क्यों और किस प्रकार की – समझाइए। [5]

(5) **'सती'** :– किसी के चरित्र को बाहरी रूप-रंग से और बातों से नहीं आँका जा सकता है' – 'सती' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(6) **'गौरी'** :– 'गौरी कहानी देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत कहानी है' कथन की समीक्षा उदाहरण देकर कीजिए।

{Turn Over}

लगी। काश। कि इन पंक्तियों को, उदास आँखों वाला वह गोरा, उजले वस्त्रों से सज्जित लखनऊ का मेधावी युवक जो आई.ए.एस की परीक्षा देने इलाहबाद गया था, उसे सुनाई देता जो लौटते समय किसी स्टेशन पर चाथ लेने उतरा कि गाड़ी चल पड़ी। चलती ट्रेन में हाथ में कुल्हड़ सहित चढ़ने के प्रयास में गिरा और दांयाँ हाथ खो बैठा। और उसी विच्छिन्न भुजा दुख भुलाने के लिए नींद की गोलियाँ खाने लगा और आज पागलखाने में है। केवल एक हाथ खोकर ही उसने हथियार डाल दिए। इधर चंद्रा, जिसका निचला धड़ है निष्प्राण मांसपिंड मात्र, सदा उत्फुल्ल है, चेहरे पर विषाद की एक रेखा नहीं। आँखों में अदम्य उत्साह, प्रतिपल-प्रतिक्षण भरपूर उत्कृत जिजीविषा और फिर कई महत्वाकांक्षाएँ। **[4x5=20]**

(i) अपने जीवन की रिक्तता कब हमें छोटी लगने लगती है ? तब हम विधाता के बारे में क्या सोचते हैं ?

(ii) लेखिका ने क्या देखा था, जिसे देख वह आश्चर्य चकित रह गई थी ?

(iii) लखनऊ के मेधावी युवक के जीवन में क्या घटना घटी थी ?

(iv) चन्द्रा की विशेषताएँ गद्यांश के आधार पर लिखिए।

(v) गद्यांश को उचित शीर्षक देकर उससे मिलने वाली शिक्षा लिखिए।

प्र.3. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए :- **[1x5=5]**

(i) हाथ खाली होना ।

(ii) कीचड़ उछालना ।

(iii) कान पर जूँ न रेंगना ।

(iv) रंगा सियार । और

(v) सिर पर भूत सवार होना ।

लगी। काश। कि इन पंक्तियों को, उदास आँखों वाला वह गोरा, उजले वस्त्रों से सज्जित लखनऊ का मेधावी युवक जो आई.ए.एस की परीक्षा देने इलाहबाद गया था, उसे सुनाई देता जो लौटते समय किसी स्टेशन पर चाथ लेने उतरा कि गाड़ी चल पड़ी। चलती ट्रेन में हाथ में कुल्हड़ सहित चढ़ने के प्रयास में गिरा और दांयाँ हाथ खो बैठा। और उसी विच्छिन्न भुजा दुख भुलाने के लिए नींद की गोलियाँ खाने लगा और आज पागलखाने में है। केवल एक हाथ खोकर ही उसने हथियार डाल दिए। इधर चंद्रा, जिसका निचला धड़ है निष्प्राण मांसपिंड मात्र, सदा उत्फुल्ल है, चेहरे पर विषाद की एक रेखा नहीं। आँखों में अदम्य उत्साह, प्रतिपल-प्रतिक्षण भरपूर उत्कृत जिजीविषा और फिर कई महत्वाकांक्षाएँ। **[4x5=20]**

(i) अपने जीवन की रिक्तता कब हमें छोटी लगने लगती है ? तब हम विधाता के बारे में क्या सोचते हैं ?

(ii) लेखिका ने क्या देखा था, जिसे देख वह आश्चर्य चकित रह गई थी ?

(iii) लखनऊ के मेधावी युवक के जीवन में क्या घटना घटी थी ?

(iv) चन्द्रा की विशेषताएँ गद्यांश के आधार पर लिखिए।

(v) गद्यांश को उचित शीर्षक देकर उससे मिलने वाली शिक्षा लिखिए।

प्र.3. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए :- **[1x5=5]**

(i) हाथ खाली होना ।

(ii) कीचड़ उछालना ।

(iii) कान पर जूँ न रेंगना ।

(iv) रंगा सियार । और

(v) सिर पर भूत सवार होना ।

{Turn Over}

3

प्र.4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए : [1x5=5]

(i) कल सभागार के बीच इस विषय पर चर्चा होगी ।

(ii) कर्त्तव्य जो है उसका पालन करो ।

(iii) बिना कड़ी मेहनत के रमेश सफल नहीं हो सकता ।

(iv) आइए, पधारिए आपका स्वागत है ।

(v) गाय का ताकतवर दूध होता है ।

हिन्दी साहित्य

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है। [12½x4=50]

''काव्य मंजरी''

(1) **'आः धरती कितना देती है' :-** ''इसमें सच्ची ममता के दाने बोने हैं, इसमें ज्ञान की क्षमता के दाने बोने हैं, इसमें मानव समता के दाने बोने हैं'' - कविवर पंत ने ऐसा क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

(2) **'नदी के द्वीप' :-** ''इस कविता में अज्ञेय जी ने व्यक्ति, समाज और परंपरा के पारंपरिक सम्बन्धों को सर्वथा नवीन दृष्टि से देखा है'' - स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'किन्तु हम हैं द्वीप ! हम धारा नहीं हैं
स्थिर समर्पण है हमारा, हम सदा से द्वीप हैं स्त्रोतस्विनी के किन्तु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है। हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।''

(क) कविता एवं कवि का पूरा नाम बताइए। [1½]

(ख) कविता में माँ किसे कहा गया है, क्यों ? समझाइए। [3]

प्र.4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए : [1x5=5]

(i) कल सभागार के बीच इस विषय पर चर्चा होगी ।

(ii) कर्त्तव्य जो है उसका पालन करो ।

(iii) बिना कड़ी मेहनत के रमेश सफल नहीं हो सकता ।

(iv) आइए, पधारिए आपका स्वागत है ।

(v) गाय का ताकतवर दूध होता है ।

हिन्दी साहित्य

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है। [12½x4=50]

''काव्य मंजरी''

(1) **'आः धरती कितना देती है' :-** ''इसमें सच्ची ममता के दाने बोने हैं, इसमें ज्ञान की क्षमता के दाने बोने हैं, इसमें मानव समता के दाने बोने हैं'' - कविवर पंत ने ऐसा क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

(2) **'नदी के द्वीप' :-** ''इस कविता में अज्ञेय जी ने व्यक्ति, समाज और परंपरा के पारंपरिक सम्बन्धों को सर्वथा नवीन दृष्टि से देखा है'' - स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'किन्तु हम हैं द्वीप ! हम धारा नहीं हैं
स्थिर समर्पण है हमारा, हम सदा से द्वीप हैं स्त्रोतस्विनी के किन्तु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है। हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।''

(क) कविता एवं कवि का पूरा नाम बताइए। [1½]

(ख) कविता में माँ किसे कहा गया है, क्यों ? समझाइए। [3]

4